प्रति,

प्राचार्य

शास विश्वनाथ यादव स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय

दुर्ग छत्तीसगढ़

विषय – ऑनलाइन संस्कृत दिवस के आयोजन हेतु

महोदय,

सविनय निवेदन है संस्कृत विभाग द्वारा संस्कृत दिवस का आयोजन दिनांक 25.08.2021 को किया जाना है, जिसमें प्रो प्रवीण झाड़ी सहा. प्रा. संस्कृत महाविद्यालय रायपुर एवं प्रो. महेश कुमार अलेंद्र स. प्रा. संस्कृतशास वैशाली नगर भिलाई का व्याख्यान होगा।

कृपया अनुमति प्रदान करें।

विभागाध्यक्ष

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई. फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दुर्ग, दिनांक 25/08/2021

सूचना

महाविद्याल के समस्त प्राध्यापकों/सहा.प्राध्यापकों एवं छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि संस्कृत विभाग द्वारा दिनांक 25.08.2021 को अपराह्न 03.30 बजे संस्कृत दिवस का आयोजन ऑनलाईन किया जा रहा है, जिसमें प्रो. प्रवीण कुमार झाड़ी सहायक प्राध्यापक संस्कृत शासकीय दूधाधारी स्नातकोत्तर संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर (छ.ग.) एवं श्री महेश कुमार अलेन्द्र का व्याख्यान होगा। उपरोक्त कार्यक्रम में आप सभी सम्मिलित होवें।

टीप :– लिंक कार्यक्रम के आधे घंटे पूर्व भेजा जायेगा।

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.) 1905

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

संस्कृत विभाग ने संस्कृत दिवस मनाया।

दिनांक 25/08/2021

साइंस कॉलेज दुर्ग के द्वारा संस्कृत विभाग द्वारा ऑनलाइन संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आरएन सिंह के मार्गदर्शन में संस्कृत दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता के रूप में डॉ प्रवीण कुमार झाड़ी सहायक प्राध्यापक संस्कृत शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर से एवं प्रोफेसर महेश कुमार अलेंद्र ,इंदिरा गांधी शासकीय महाविद्यालय वैशाली नगर से वक्ता के रूप में आमंत्रित थे ।

डॉ प्रवीण कुमार झाड़ी ने संस्कृत के महत्व एवं उपयोगिता पर प्रकाश डाला उन्होंने भारतीय जीवन दर्शन में संस्कृत के प्रभाव को बताया प्रोफेसर महेश कुमार अलिंद्र ने संस्कृत को सरल एवं प्राकृतिक भाषा बताया ।उन्होंने छात्र एवं छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि संस्कृत में न केवल जीवन सुरक्षित है अपितु मानवता भी संस्कृत में सुरक्षित है।

कार्यक्रम का संचालन विभाग अध्यक्ष प्रोफ़ेसर जनेंद्र कुमार दीवान ने किया। इस कार्यक्रम में बहुत से प्राध्यापक एवं छात्र छात्राएं जुड़े हुए थे।

विभागाध्यक्ष

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

संस्कृत दिवस

25-08-21

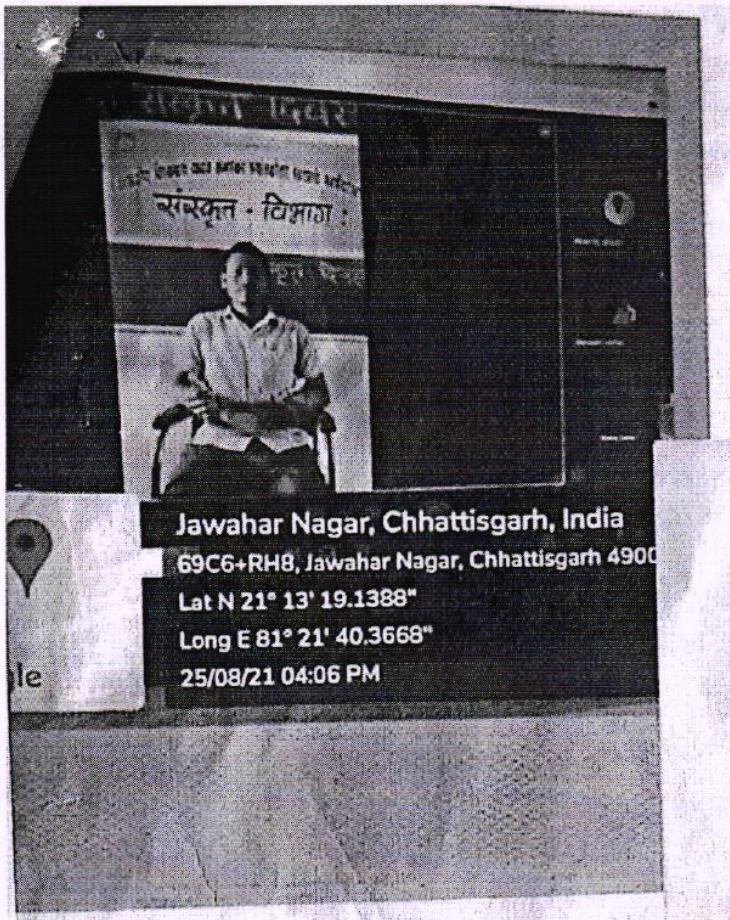

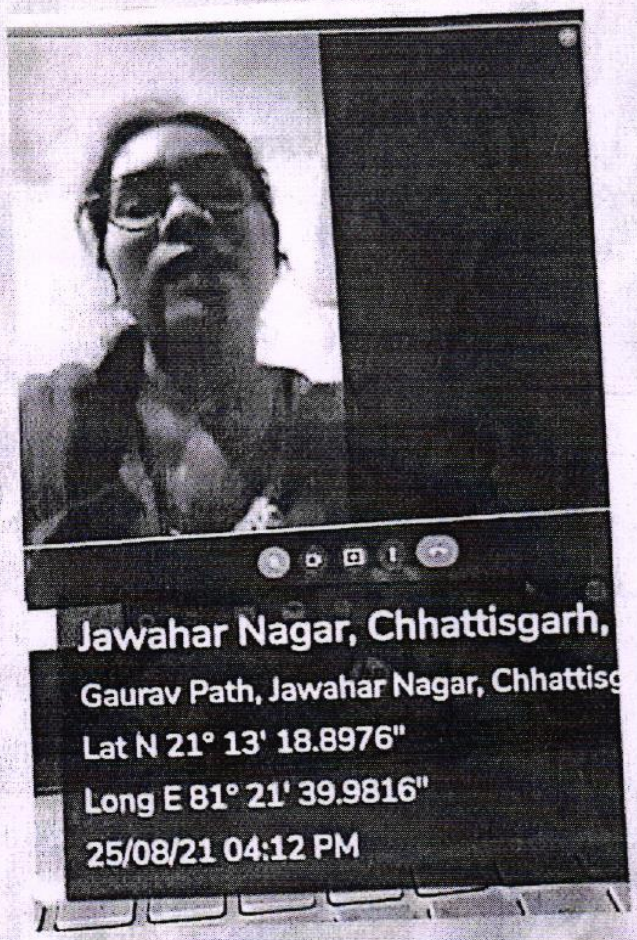

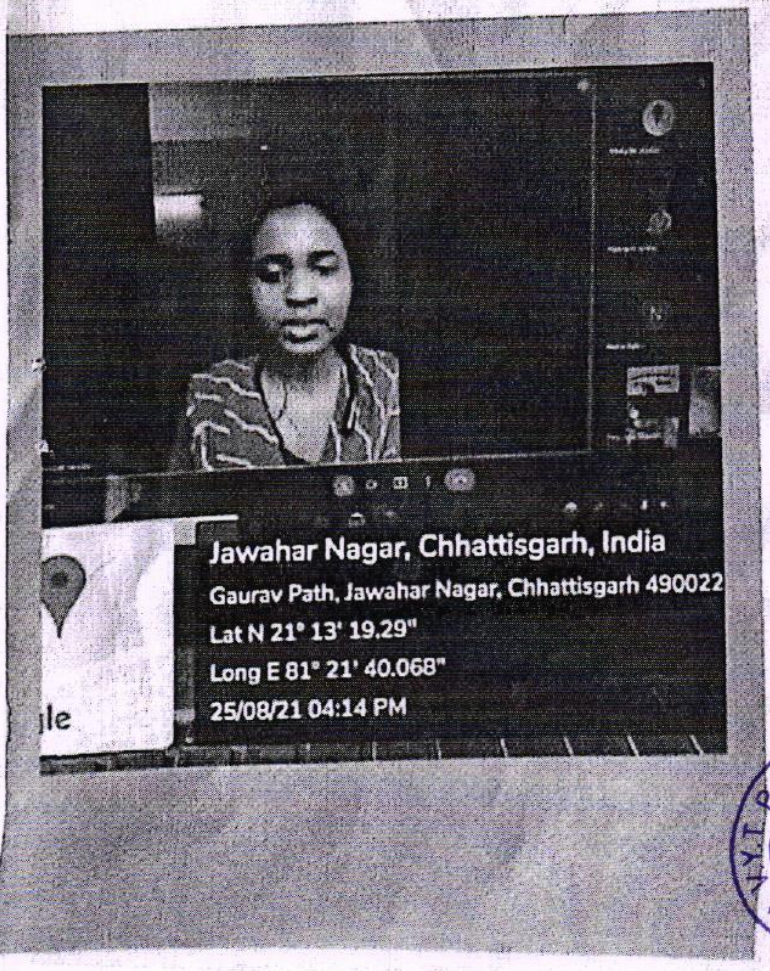

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

25-08-2021

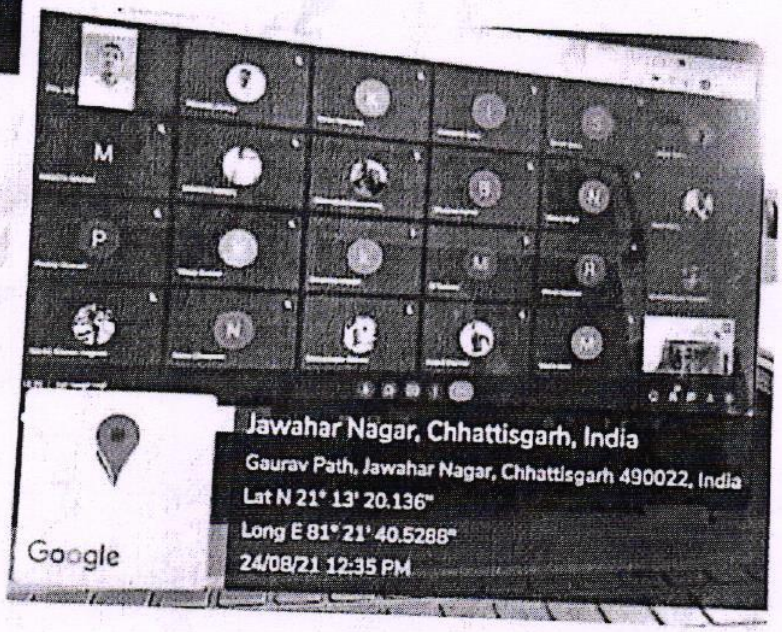

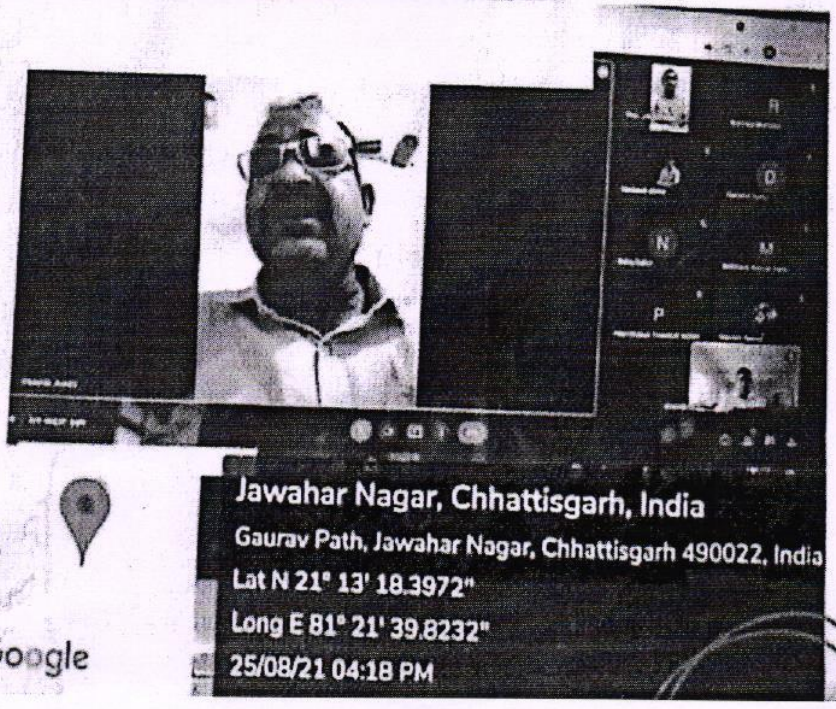

thank you :)

for he shines brighter than the Sun

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

24/2

प्रति,

प्राचार्य,

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय :– विश्व मातृ भाषा दिवस आयोजन की अनुमति बाबत।

महोदय जी,

दिनांक 20.02.2021 को प्रातः 11 बजे विश्व मातृ भाषा दिवस पर बहुभासी रचना संगोष्ठी का आयोजन प्रस्तावित है। जिसमें बंगला कवि श्री समरेन्द्र विश्वास एंव श्री चन्द्रशेखरन मलयालम कथाकार (भिलाई) आमंत्रित होगे।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम्र.स्नाते.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Permitted

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College ★ Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 15 /02/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा दिनाँक 20 / 02 / 2021 को समय – 11 बजे स्मार्ट क्लास रूम लाइब्रेरी हॉल के ऊपर विश्व मृत दिवस पर बहुभाषी रचना संगोष्ठी आयोजित है। इस आयोजन में बंगला भाषा के कवि श्री समरेन्द्र विश्वास (भिलाई), श्री चन्द्रशेखरन, मलयालम कथाकार (भिलाई) विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेगें।

अतः समस्त छात्र–छात्राएं एवं शोधार्थीगण कोविड–19 का पालन करते हुए उपस्थिति होवें।

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

हिन्दी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

(20 फरवरी, 2021 को सम्पन्न आयोजन का प्रतिवेदन)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में दिनांक 20.02.2021 को हिन्दी विभाग द्वारा विश्व मातृभाषा दिवस का आयोजन किया गया, कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह ने किया विशेष अतिथि के रूप में बंगला भाषा के कवि श्री समरेन्द्र विश्वास तथा मलयालम भाषा के कथाकार श्री चन्द्रशेखरन पिल्लई उपस्थित थे। कार्यक्रम का आरंभ सरस्वती वंदना से हुआ विभाग के अध्यापकों द्वारा अतिथियों का स्वागत किया गया। स्वागत उद्‌बोधन के पश्चात् डॉ. अभिनेष सुराना ने विश्व मातृ भाषा दिवस मनाये जाने के इतिहास की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 21 फरवरी 1948 में पाकिस्तान द्वारा उर्द् भाषा को राष्ट्रभाषा घोषित किया गया, बंगला भाषी पूर्वी पाकिस्तान की जनता ने इसका विरोध किया और 21 फरवरी 1952 में ढाका विश्वविद्यालय के विद्यार्थियो ने बंगला भाषा को भी राष्ट्र भाषा का दर्जा दिये जाने की मांग की जिसे कुचलने के लिए पाकिस्तान की सेना ने हिंसा का सहारा लिया, जिसमें पांच विद्यार्थी मारे गये। उन विद्यार्थियों को बंगला भाषी जनता ने शहीद का दर्जा देते हुए उनकी याद में 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस मनाना शुरू किया। 1998 में बंगला देश की सरकार ने संयुक्त राष्ट्र संघ से यह अपील की कि 21 फरवरी को विश्व मातृ भाषा दिवस घोषित किया जाये। संयुक्त राष्ट्र संघ ने इसे स्वीकार करते हुए यह दिवस संम्पूर्ण विश्व में मनाये जाने की घोषणा की । तब से 21 फरवरी को विश्व मातृभाषा दिवस मनाया जा रहा है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ. जय प्रकाश साव ने इस आयोजन के महत्व को विस्तार से बताया। उन्होंने कहा वैश्विकरण हमारी बहुभाषीकता तथा बहुसंस्कृतिकता का अतिक्रमण कर रही है। यह संक्रमण बायोलॉजीकल ही नही, सांस्कृतिक भी है। आज जीव जगत का ही नही, बल्कि समूचे मानव का अस्तिव दांव पर लगा हुआ है, इसलिए इस संकट को गंभीरता से देखने की आवश्यकता है। उन्होने कहा बहुभाषिता पूरी दुनिया की पूंजी है। इसलिए हमें अपनी भाषा के साथ दूसरी भाषाओं का उतना ही सम्मान करना चाहिए। इसके पश्चात् अतिथि रचनाकार श्री चन्द्रशेखरन ने मलयालम में अपनी मार्मिक कहानी "आसमान मेरा हमसफर" का तथा बंगला भाषा के कवि श्री समरेन्द्र विश्वास ने 'वर्णमाला एक स्कूली बालक का' शीर्षक कविता का पाठ किया। महाविद्यालय के प्राध्यापकों में डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी (मराठी), डॉ. मर्सी जार्ज (मलयाली), डॉ. ज्योति धारकर (मराठी), डॉ. जगजीत कौर (पंजाबी), डॉ. शंकर निषाद (भोजपुरी), प्रो. जनैन्द्र दीवान (संस्कृत), तथा विद्यार्थियों में जितेन्द्र कुमार (छत्तीसगढ़ी), आरती कुशवाहा (भोजपुरी), प्रवीण प्रधान (हिन्दी), कु. संतोषी प्रधान (उड़ीया), देवराज एवं कु. सोनम ने हिन्दी में काव्य पाठ किया।

अन्त में प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने अध्यक्षीय उद्‌बोधन किया। उन्होने एक अच्छे आयोजन के लिए हिन्दी विभाग को बधाई दिया। उन्होने कहां माँ की भाषा संतति को प्राप्त होती है। मातृभाषा से संस्कृति की अभिव्यक्ति संभव है। देश लम्बे समय तक गुलाम रहा, अंग्रेजो ने अंग्रेजी भाषा द्वारा हमारी संस्कृतिक विरासत को खत्म करने की कोशिश की हमारी चिन्तन प्रकिया को मंद कर दिया, इसी का परिणाम है कि बहुत से लोग अंग्रेजी में बात करने में अपना सम्मान समझते है और देशी भाषा बोलने वालो को हीन दृष्टि से देखते है। हमें इस गुलाम मानसिकता से मुक्त होना होगा और अपने मूल्यों एवं सांस्कृतिक विरासत को बचाये रखने के लिए अपनी मातृभाषा के साथ भाषायी बहुलता व सांस्कृतिक बहुलता को बचाऐ रखना होगा। कार्यक्रम में डॉ. बलजीत कौर, डॉ. थानसिंह वर्मा, डॉ. एस.एन. झा, डॉ. मीना मान, डॉ. मीता चक्रवर्ती के अलावा बड़ी संख्या में छात्र/छात्राएं उपस्थित थे। कार्यक्रम अमित मिश्रा को स्वस्ति वाचन के साथ समाप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन डॉ. जयप्रकाश साव ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. शंकर निषाद ने किया।

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

12

विश्व मातृभाषा दिवस - 21.2.2021
आयोजन दिनांक 20.02.2021

आज दिनांक 20.2.2021 को स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के तत्वावधान में विश्व मातृभाषा दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। आयोजन की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य एवं संरक्षक डॉ. आर. एन. सिंह ने किया। अतिथि वक्ता के रूप में विशेष रूप से बंगला भाषा के कवि श्री समरेन्द्र विश्वास (भिलाई) तथा मलयालम के कथाकार श्री चन्द्रशेखर नायर (भिलाई) उपस्थित थे।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के निम्नलिखित प्राध्यापक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थीगण उपस्थित हुए :-

1. डॉ. शंकर निषाद —
2. डॉ. बलजीत कौर —
3. डॉ. जयप्रकाश साव —
4. प्रो. थानसिंह वर्मा —
5. डॉ. एस. एन. झा (वाणिज्य) —
6. डॉ. प्रज्ञा कुलकर्णी —
7. डॉ. संजू सिन्हा —
8. डॉ. ज्योति धारकर —
9. डॉ. विनोद अहिरवार —
10. डॉ. जगजीत कौर सलूजा —
11. डॉ. ज्योति धारकर — 20.02.21
12. डॉ. संजू सिन्हा — 20/02/21
13. डॉ. मर्सी जॉर्ज — 20/2/21
14. नीरा सिंह — 20.2.21
15. डॉ. के० पद्मावती — 20/2/2021
16. प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान — 20/02/21
17. अमिता मिश्रा — 20/02

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomus
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

उपस्थित विद्यार्थियों के नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1 दुर्गा साहू	एम. ए. हिन्दी तृतीय सेमे.	Durga
2 सोनम यादव	MA English lit. 3 sem	S.yadav
3. विनीता सिन्हा	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे	V.sinha
4. सिद्धि शर्मा	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेम	Siddhi
5. दुलेश्वरी यादव	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे.	Duleshvari
6. बुद्धेश्वर बंजारे	एम० ए. हिन्दी तृतीय सेमे.	[illegible]
7. प्रताप कुमार	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे.	[illegible] 20/02/2021
8. आरती साहनी	एम० ए० हिन्दी प्रथम सेमे.	[illegible] 20/02/21
9. भार्गवी जोशी	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेमे.	[illegible] 20-2-21
10. दुर्गेश्वरी वर्मा	एम. ए. हिन्दी तृतीय सेमे.	D.verma 20/02/2021
11. मोहित माहरूख जी	एम० ए० हिन्दी, तृतीय सेम.	M. [illegible]
12. संतोषी	एम. ए. हिन्दी प्रथम सेम	Santoshi
13 दिव्या शर्मा	P.G. Diploma yoga and Philosophy	Divya
14. काजल श्रीवास	P.G. Diploma in yoga & Philosophy	Kshrivas
15 लोकेश्वरी देशमुख	M.A 1st Semester	Lokeshwari
16. रेखा सिंह	P.G.D. in Yoga	Rekha
17 सुषमा यादव	P.G.d. in yoga	Sushma
18. खिलेश्वरी	P.G.d. in yoga	Khileshwari
19. दीक्षा लहरी	P.G.d. in yoga	Lahri
20 धनेश्वर	P.G.Y. in Yoga	[illegible]
21 युवराज	P.G.Y. in yoga	युवराज
22 डिलीना मजूमदार	P.G.Y in yoga	Dilina
23 विकास मारकण्डे	MA - I Sem.	[illegible]
24 द्रोपती यदु	MA - I Sem	Dropati
25 भूपेश कुमार साहू	MA III Sem	
26 रुखसाना देवांगन	MA I Sem	Rukhsana
27 दुर्गारानी	MA I Sem	Puyarni
28 कु. सोनाली	M.A. I Sem	Sonali
29 देवराज बघेल	M.A. IIIrd Sem	[illegible]
30 उमा ठाकुर	M.A. IIIrd Sem	Uma
31 आरती कुशवाहा	M.A. I Sem.	Arti
32 प्रियंका सिंह	M.A. I Sem	P.singh
33 भामिनी	MA I Sem	Gamini
34 दीपक आनंद [illegible]	M.A. I S[illegible]	[illegible]

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात. महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

33,34,35

प्रति,

प्राचार्य

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय

दुर्ग (छ.ग.)

विशय :– हिन्दी दिवस समारोह के आयोजन की अनुमति बाबत्।

महोदय,

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 14.09.2021 को दोपहर 12:00 बजे हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया जाना है इस आयोजन में डॉ. राजेश दुबे, डॉ. प्रेमलता गोरे एवं डॉ. देशबंधु तिवारी वक्ता के रूप में आमंत्रित है।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें।

दिनांक 10.07.2021

विभागाध्यक्ष हिन्दी

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम्र. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College
Durg
(C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 10/09/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 14.09.2021 को 12:00 बजे कक्ष क्रमांक 50 में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजित है। जिसमें डॉ. राजेश दुबे प्राचार्य खरोरा, डॉ. प्रेमलता गोरे प्राचार्य बेरला एवं डॉ. देशबंधु तिवारी प्राचार्य सांई कॉलेज भिलाई व्याख्यान देगें।

अतः निर्धारित समय पर विद्यार्थीगण उपस्थित हों।

विभागाध्यक्ष हिन्दी
10/9/21
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य
शा. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग
Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomue
College, Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomue
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

हिन्दी विभाग
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग
हिन्दी दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन

(दिनांक - 14 सितम्बर 2021)

अतिथि वक्ता - डॉ. राजेश दुबे, प्राचार्य, खरोरा, रायपुर
डॉ. प्रेमलता गौरे, प्राचार्य, बेरला, दुर्ग
डॉ. देशबन्धु तिवारी, प्राचार्य, साई महा., भिलाई

प्रतिवेदन

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 14 सितंबर 2021 को हिंदी दिवस पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर.एन.सिंह ने किया। आरंभ में विभाग के अध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने अतिथियों का स्वागत किया। इसके पश्चात अतिथि वक्ता डॉ राजेश दुबे ने हिंदी और वैश्वीकरण विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा स्वतंत्रता संग्राम के दौर में गांधी जी और अन्य नेताओं ने हिंदी का प्रचार-प्रसार पर काफी बल दिया था इसलिए हिंदी स्वतंत्रता संग्राम की भाषा बन गई थी। इसके माध्यम से वे देश की जनता को एकता के सूत्र में जोड़ सके। आजादी के बाद हिंदी भाषा को संपर्क भाषा तो बनाया गया किंतु अंग्रेजी का वर्चस्व बना रहा। आज के वैश्वीकरण के युग में जो भाषा बाजार तथा कारोबार के उपयुक्त है वही आगे बढ़ रही है। भारत की बड़ी आबादी के बीच पहुंचने के लिए विदेशी निवेशक हिंदी सीख रहे हैं पर यह कारोबार तक सीमित है। हिंदी भाषा का यह रूप मानवीय संवेदना के साथ नहीं जुड़ पाता है। डॉ प्रेमलता गौरे ने आज के समय में हिंदी विषय पर अपने विचार रखे। उन्होंने कहा पूरे देश में ऐसा वातावरण बनता जा रहा है कि अंग्रेजी के बिना उसका विकास नहीं हो सकता इसलिए हिंदी भाषा की उपेक्षा हो रही है। एक समय के बाद नई पीढ़ी अपने परिवार के बीच भी अपनी बात कही कर पाएंगे। आज हिंदी को रोजगार तथा प्रशासन की भाषा बनाए जाने की भी आवश्यकता है। तीसरे वक्ता डॉ देशबंधु तिवारी अपनी राष्ट्रभाषा हिंदी विषय पर विचार व्यक्त करते हुए कहा एक राष्ट्र के रूप में हिंदी का विकास स्वतन्त्रता संग्राम के दौर में हुआ था पर हिंदी की स्थिति देश की अन्य भाषाओं से ऊपर नहीं है। संविधान में ही हिंदी को राष्ट्रभाषा स्वीकार नहीं किया गया है वह संपर्क भाषा, राजकाज की भाषा मात्र है। हम विश्व से संवाद अपनी भाषा में आज भी नहीं कर पाते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कृष्णा चटर्जी ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ रजनीश उमरे ने किया। इस कार्यक्रम में विभाग के प्राध्यापक एवं स्नातकोत्तर कक्षा के विद्यार्थी उपस्थित थे।

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College * Durg (C.G.)

14.9.2021

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

अध्यक्ष हिन्दी विभाग
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomue
College, Durg (C.G.)

13

हिन्दी दिवस - 14.9.2021

आज दिनांक 14.9.2021 को स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के तत्वावधान में प्राचार्य डॉ आर. एन. सिंह की अध्यक्षता में हिन्दी दिवस समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वक्ता के रूप में डॉ आर. के. दुबे प्राचार्य शास. महाविद्यालय, खरोरा जि. रायपुर, डॉ. प्रेमलता गौरे प्राचार्य शास. नवीन महाविद्यालय, बेरला जि. बेमेतरा एवं श्री देशबंधु तिवारी प्राचार्य, साई महाविद्यालय, सेक्टर 6 भिलाई उपस्थित थे।

कार्यक्रम में हिन्दी भाषा का विकास, दशा और दिशा, हिन्दी भाषा की प्रयोजनीयता पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के साथ विभाग के प्राध्यापकगण - डॉ अभिनव सुराणा, डॉ. शंकर निषाद, डॉ. बलजीत कौर, डॉ. जयप्रकाश साव, डॉ. कृष्णा चटर्जी, अतिथि व्याख्याता डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्र उपस्थित थे।

डॉ. आर के दुबे प्राचार्य शास. महाविद्यालय, खरोरा जिला रायपुर
डॉ. प्रेमलता गौरे प्राचार्य शास. नवीन महा. बेरला P. Gaure 14-09-21
डॉ. देशबंधु तिवारी, प्राचार्य, साई महाविद्यालय, सेक्टर 6 भिलाई 14/9/2021
डॉ.

हिंदी दिवस के अवसर पर हिंदी विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के विचारों से परिचित होने का अवसर मिला। विभाग एवं महाविद्यालय परिवार को साधुवाद। (राजेश कुमार दुबे)

शास. महा. दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित हिन्दी दिवस के आयोजन में सम्मिलित होकर मन प्रसन्न हुआ। विद्यार्थी और शोधार्थियों द्वारा ~~स्वरचित~~ स्वरचित एवं अज्ञेय, तथा ... की रचनाओं को सुनकर आनन्दित हूँ।

P. Gaure
(डॉ. प्रेमलता) गौरे

हिन्दी दिवस के कार्यक्रम में उपस्थित होकर आनंदित हुआ। कार्यक्रम में विषय की उपलब्धता एवं विद्वजनों द्वारा विचार छात्रों के लिए अनुकरणीय रहा।
14/9/2021

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

नाम		मो. नं.	15/10/18
1 योगेश कुमार नरम	योगेश (शोधार्थी)	9713796669	[illegible]
2 लक्ष्मीन चौहान	लक्ष्मीन (शोधार्थी)	9630747812	Laxmin
3 4 रश्मि मुखर्जी	शोधार्थी	9993333345	[illegible]
5 आशा रानी	शोधार्थी	9993784300	[illegible]
6 टिकेन्द्र कुमार यदु	शोधार्थी	9144533919	Tyadu
7. नीरज कुमार शर्मा	शोधार्थी	9685509058	[illegible]
8 टेकराम मैताम	शोधार्थी	6264641047	टेकराम
9 शांति नागदेव	शोधार्थी	9770893068	[illegible]
10 डॉ. सरिता मिश्र	अतिथि व्याख्याता	9109576185	[illegible]
12 तरुण कुमार साहू	शोधार्थी	9691341582	[illegible]
13 सैथराम सिंह निराला	शोधार्थी	6263850825	[illegible]
14 प्रियंका यादव	शोधार्थी	7389611089	[illegible]
15 होरीलाल	शोधार्थी	9752534118	[illegible]
16 दुर्गेश्वरी वर्मा	एम. ए. चतुर्थ (हिन्दी)	8815835607	D.verma
17 शीतल सेन	एम. ए. चतुर्थ	7224079747	[illegible]
18 भूपेश कुमार साहू	एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर	9340517614	[illegible]
19 वर्षा रानी	शोधार्थी	9406294936	[illegible]
20 संतोषी	एम. ए. तृतीय सेमेस्टर	9877481882	Santoshi
21 आरती साहनी	एम० ए० तृतीय सेमेस्टर	7389826631	[illegible]
22 दीपक आनंद सिंह	एम. ए. तृतीय सेमेस्टर	8871760800	D. Anand
23 दुलेश्वरी यादव	एम. ए. तृतीय सेमेस्टर	9165996262	Duleshwari
24 सिद्धि शर्मा	एम. ए. तृतीय सेमेस्टर	9340850996	Siddhi
25 प्रताप कुमार	एम० ए० तृतीय सेमेस्टर	8305272377	[illegible]
26 लोकेश्वरी	एम. ए. तृतीय सेमेस्टर		Lukeshwari

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

प्रति,

प्राचार्य
शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

विशय :– एम.ओ.यू. के तहत व्याख्यान की अनुमति बाबत्।

महोदय,

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा एम.ओ.यू. के अंतर्गत फैक्लटी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दिनांक 13.07.2021 को दोपहर 12:00 बजे गूगल मीट पर हिन्दी वर्णमाला की वैज्ञानिकता एवं उपयोग विषय पर डॉ. शंकरमुनि राय सहायक प्राध्यापक हिन्दी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव का व्याख्यान आयोजन किया जाना है।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करें।

दिनांक 10.07.2021

विभागाध्यक्ष हिन्दी
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Principal
Govt.V.Y.T.P.G.Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
{पूर्वनामः शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)}
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 15/07/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि दिनांक 13.07.2021 को 12:00 बजे गूगल मीट पर फैक्लटी एक्सचेंज के तहत हिन्दी वर्णमाला की वैज्ञानिकता एवं उपयोगिता विषय पर डॉ. शंकरमुनि राय सहायक प्राध्यापक हिन्दी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय, राजनांदगांव का व्याख्यान आयोजित है।

अतः प्रेषित लिंक से निर्धारित समय पर जुड़कर व्याख्यान का लाभ उठायें।

विभागाध्यक्ष हिन्दी
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तास.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य
शा. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी
महाविद्यालय, दुर्ग

Principal
Govt. V.Y.T. PG. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College ★ Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

हिन्दी वर्णमाला की वैज्ञानिकता एवं उपयोग पर व्याख्यान

शास.वि.या.ता.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग में हिन्दी विभाग द्वारा एम.ओ.यू. के अन्तर्गत फैकेल्टी एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत दि.13.7.2021 को गूगल मीट पर हिन्दी वर्णमाला की वैज्ञानिकता एवं उपयोग विषय पर डॉ. शंकरमुनी राय सहायक प्राध्यापक हिन्दी शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव का व्याख्यान आयोजित किया गया। डॉ. राय ने अपने व्याख्यान में कहा– हिन्दी वर्णमाला का स्वरूप वैज्ञानिक है उसका उच्चारण स्थान, ध्वन्यात्मक रूप बहुत स्पष्ट है उसे अभ्यास से सीखा जा सकता है तथा उसका स्पष्ट उच्चारण एवं लेखन संभव है। उन्होनें हिन्दी वर्णमाला का वर्गीकरण करते हुए उसके स्वरों एवं व्यजंनो के विभिन्न प्रकारो को स्पष्ट किया व उससे बनने वाले शब्दों के उदाहरणों के साथ बड़े ही रोचक ढंग से समझाया।

कार्यक्रम के आरम्भ में विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने स्वागत उद्‌बोधन के साथ प्रस्तावना वक्तव्य दिया। कार्यक्रम का संचालन प्रो. थानसिंह वर्मा ने किया। इस ऑनलाइन कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं विद्यार्थियों के साथ शासकीय दिग्विजय महाविद्यालय राजनांदगाँव के प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने पटल से जुड़कर व्याख्यान का लाभ उठाया। आभार ज्ञापन डॉ. अभिनेष सुराना ने किया।

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव साम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Principal
Govt.V.Y.T.P.G.Autonomous
College Durg (C.G.)

प्राचार्य

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College ★ Durg (C.G.)

23

प्रति,

प्राचार्य,

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय :– हिन्दी साहित्य परिषद का उद्घाटन तथा व्याख्यान की अनुमति बाबत।

महोदय जी,

दिनांक 13.02.2021 को 11 बजे हिन्दी साहित्य परिषद का उद्घाटन तथा डॉ. प्रवेश कुमार श्रीवास्तव प्राध्यापक काशी हिन्दू वि.वि. बनारस के इतिहास के पुर्नलेखन विषय पर व्याख्यान प्रस्तावित हैं।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम्र.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Permitted

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 10/02/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि हिन्दी तथा इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 13/02/2021 को दोपहर 11 बजे स्मार्ट क्लास रूम (लाइब्रेरी के ऊपर) **इतिहास का पुनर्लेखन** विषय पर काशी हिन्दू वि.वि.बनारस के प्राध्यापक डॉ. प्रवेश कुमार श्रीवास्तव का व्याख्यान आयोजित है साथ ही स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद का उद्घाटन समपन्न होगा।

अतः समस्त छात्र–छात्राएं कोविड–19 के नियम का पालन करते हुए कार्यक्रम में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित करें।

अध्यक्ष

हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव तास.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य

शासकीय वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

शासकीय वि.या.स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग (छ.ग.)

उदारता अकादमिक व्यक्ति की पहचान होती है – डॉ. प्रवेश कुमार श्रीवास्तव

उदारता अकादमिक व्यक्ति की पहचान होती है। यह उदारता इतिहासकार में भी होनी चाहिए। विज्ञान में नई खोज के बाद पुराना छोड़ दिया जाता है लेकिन इतिहास में नये को स्वीकार नहीं कर पाते यह कमी इतिहास में आज भीं है नये शोध, नई खोज से यदि कोई तथ्य या साक्ष्य प्राप्त होता है, तो उसके आधार पर इतिहास का पुनर्लेखन किया जाना चाहिए। उक्त विचार शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में इतिहास तथा हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में इतिहास का पुनर्लेखन विषय पर आयोजित व्याख्यान में काशी हिन्दू विश्वविद्यालय वाराणासी के इतिहास विभाग के प्रध्यापक डॉ.प्रवेश कुमार श्रीवास्तव ने व्यक्त किये। उन्होने आगे कहा कि इतिहास तथ्यो के आधार पर लिखा जाता है। उन्होने कहा कि धर्म के सम्बन्ध में हमारी धारणा सही नहीं है हम ट्रेडिशन, परम्परा को ही धर्म मान लेते हैं और राजनीतिक लोगो द्वारा उसी को धर्म मानकर भला–बुरा कहते पाते हैं। समय और संस्कृति में परिवर्तन होता है एक संस्कृति से दूसरी संस्कृति की तुलना हम नहीं कर सकते । चीजों को उसके तथ्यों के आधार पर समझना होगा इसलिए यदि नये तथ्य समाने आते है तो उस इतिहास का पुनर्लेखन किया जाना चाहिए।

कार्यक्रम के अध्यक्षता करते हुए महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने कहा –

विद्यार्थियो को इतिहास की समझ होनी चाहिए। सबसे पहले उन्हें आस पास के इतिहास से परिचित होना चाहिए अपने विषय के इतिहास को जानना चाहिए इतिहास की सही समझ ही उनके आगे का मार्ग प्रशस्त कर सकता है। इस अवसर पर हिन्दी साहित्य परिषद का उद्घाटन किया गया । परिषद का गठन गुणानुक्रम के आधार पर किया गया जिसमें श्री बुद्धेश्वर (एम.ए. तृतीय समेस्टंर) –अध्यक्ष कुमारी भार्गवी जोशी (प्रथम समेस्टर), कुमारी दुर्गेश्वरी वर्मा (तृतीय समेस्टर) तथा श्री चन्द्रशेखर (बी.ए. अंतिम) सहसचिव एवं छः कार्यकारणी सदस्य मनोनित किये गये। कार्यक्रम के आरम्भ में विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने परिषद के उदेश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ.अनिल कुमार पांडे, डॉ. शंकर निषाद, डॉ. बलजीत कौर, डॉ. जयप्रकाश साव एवं प्रो. थानसिंह वर्मा के अलावा बड़ी संख्या में छात्र–छात्रायें उपस्थित थे । कार्यक्रम का संचालन डॉ. ज्योति धारकर तथा आभार प्रदर्शन डॉ. संध्या अग्रवाल ने किया।

प्राचार्य

(डॉ. आर.एन.सिंह)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

व्याख्यान एवं हिन्दी साहित्य परिषद
का उद्घाटन दि. 13.02.2021

आज दिनांक 13.2.2021 को इतिहास विभाग एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में 'इतिहास का पुनर्लेखन' विषय पर डॉ. प्रवेश कुमार श्रीवास्तव प्राध्यापक काशी हिन्दू विश्व विद्यालय, बनारस (इतिहास विभाग) का व्याख्यान एवं स्नातकोत्तर हिन्दी साहित्य परिषद का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. एन. सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम में निम्नलिखित प्राध्यापक तथा स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थीगण उपस्थित हुए :-

1. डॉ. शंकर निषाद
2. डॉ. बलजीत कौर
3. डॉ. जयप्रकाश
4. प्रो. थानसिंह वर्मा
5. डॉ. रजनीश उमरे
6. डॉ. सरिता मिश्र — सरिता
7. कु. प्रियंका यादव — प्रियंका

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

विद्यार्थीगण नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
(1) बुद्धेश्वर बंजारे	एम॰ए॰ - तृतीय सेमेस्टर	[signature]
(2) दुर्गा साहू	एम॰ ए॰ तृतीय सेमेस्टर	Durga
(3) किरण सिवारे	एम॰ ए॰ तृतीय सेमेस्टर	Kiran
(4) आरती साहनी	एम॰ ए॰ प्रथम सेमेस्टर	[signature]
(5) भार्गवी जोशी	एम ए. प्रथम सेमेस्टर	[signature]
(6) दुर्गेश्वरी वर्मा	एम. ए. तृतीय सेमेस्टर	D Verma
(7) शीतल सेन	एम ए. तृतीय सेमेस्टर	Sheetal
(8) दीपक आनंद सिंह	एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	D. Anand
(9) गनेश्वरी साहू	एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	[signature]
(10) लोकेश्वरी	एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	Lakeshwari
(11) गामिनी	एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	[signature]
12 प्रिया राय	एम. ए. प्रथम सेमेस्टर	[signature]

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

	नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
(13)	जितेन्द्र कुमार	एम.ए. 3 सेमे	[illegible]
(14)	जैनब खातुन	एम.ए. 3 सेमे	Zainab
(15)	चन्द्रशेखर	बी.ए. तृतीय वर्ष	चन्द्रशेखर
(16)	Pragya Verma	M.A. IIIrd sem	Pragya
(17)	Vaishnavi Yadnik	M.A. III Sem History	Vaishnavi
(18)	रमा ठाकुर	M.A. IIIrd Sem	Rama
(19)	प्रताप कुमार	M.A. Ist sem	[illegible]
(20)	Vikas Malkande	MA - I sem -	Vikas Malkande
(21)	किरण खिलारे	M.A. - III sem -	Kiran
(22)	दुर्गेश्वरी वर्मा	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	D.verma
(23)	दुर्गा साहू	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	Durga
(24)	गोदावरी देशमुख	M.A. I se	गोदावरी देशमुख
(25)	सोनाली	M.A. I Sem	Sonali
(26)	सिद्धि शर्मा	M.A. I sem	Siddhi
(27)	दुलेश्वरी यादव	M.A. I sem	Duleshvari

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

कार्यालय, प्राचार्य, शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

हिंदी विभाग

उच्चारण एवं लेखन कार्यशाला

सूचना

दिनांक 2.6. 2021

महाविद्यालय के समस्त विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि हिंदी विभाग के तत्वावधान में विवेकानंद सभागार में दिनांक 5.6 2021 पूर्वाह्न 11.00 बजे से उच्चारण एवं लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया है। इस आयोजन में विभाग के प्राध्यापकों द्वारा हिंदी उच्चारण की बारीकियों तथा लेखन-कौशल पर विस्तृत संवाद किया जाएगा।

कार्यक्रम में विद्यार्थियों की अधिकतम भागीदारी अपेक्षित है।

विभागाध्यक्ष, हिंदी
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

प्राचार्य
Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग

हिंदी विभाग

उच्चारण एवं लेखन कार्यशाला

प्रतिवेदन

महाविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वावधान में दिनांक 5 जून 2021 को उच्चारण एवं लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन में हिंदी विभाग के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला के आरंभ में विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कार्यशाला के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाषा को लेकर आमतौर पर विद्यार्थियों के बीच अनभिज्ञता होती है। इसलिए सामान्य भाषा-प्रयोग में अनेक त्रुटियाँ देखने को मिलती हैं। इन्हें दूर करने के लिए यह आवश्यक है कि हम भाषा प्रयोग के प्रति सचेत रहें, व्याकरण के नियमों का ज्ञान रखें तथा उनका पालन करें, और सृजनात्मक लेखन का सतत अभ्यास करें।

विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. शंकर निषाद ने हिंदी वर्णमाला के बारीक़ पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए कहा कि देवनागरी लिपि संसार की सर्वाधिक वैज्ञानिक और उत्कृष्ट लिपियों में से एक है। इसमें जैसा लिखा जाता है, वैसा ही बोला भी जाता है। इसलिए सटीक उच्चारण के साथ त्रुटिहीन लेखन भी सहज रूप में किया जा सकता है।

वरिष्ठ अध्यापक प्रो. थान सिंह वर्मा ने रचनात्मक लेखन के विविध बिंदुओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने हिंदी के उत्कृष्ट लेखकों की कृतियों से विवरण प्रस्तुत करते हुए के उनके भाषिक और संरचनात्मक पहलुओं का बारीकी से विश्लेषण किया। वरिष्ठ प्राध्यापक जय प्रकाश साव ने स्वरों और व्यंजनों के सटीक उच्चारण, और उच्चारण स्थान की सूक्ष्मता के बारे में जानकारी दी तथा उदाहरणों के जरिए भाषा के सचेत प्रयोग के सम्बन्ध में प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के अंत में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. बलजीत कौर ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

विभागाध्यक्ष हिंदी
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव साम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

5/1.3

हिंदी विभाग

उच्चारण एवं लेखन कार्यशाला में शामिल प्रतिभागियों की सूची

(आयोजन तिथि : 5 जून, 2021)

उक्त तिथि को विभाग के स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के हिंदी उच्चारण में सुधार और रचनात्मक लेखन के अभ्यास की दृष्टि से एकदिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई, जिसमें निम्नांकित प्रतिभागियों ने हिस्सेदारी की।

क्र.	प्रतिभागी का नाम	कक्षा	हस्ताक्षर
1.	भूपेश साहू	एम. ए. सेमेस्टर	
2.	शीतल सेन	एम. ए. सेमेस्टर III	
3.	बुद्धेश्वर	एम. ए. सेमेस्टर III	
4.	दुर्गेश्वरी	एम. ए. सेमेस्टर III	
5.	किरण शिवारे	एम. ए. सेमेस्टर III	
6.	उमा	एम. ए. सेमेस्टर III	
7.	आरती साहनी	एम. ए. सेमेस्टर III	
8.	संतोषी	एम. ए. सेमेस्टर III	
9.	गोदावरी	एम. ए. सेमेस्टर III	
10.	भार्गवी जोशी	एम. ए. सेमेस्टर III	
11.	अजय कुमार बंजारे	एम. ए. सेमेस्टर III	
12.	आरती कुशवाहा	एम. ए. सेमेस्टर III	
13.	प्रियंका सिंह	एम. ए. सेमेस्टर III	
14.	सिद्धि शर्मा	एम. ए. सेमेस्टर III	

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम्र.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

15.	खुशबू	एम. ए. सेमेस्टर III	खुशबू
16.	दुर्गारानी	एम. ए. सेमेस्टर III	Durga
17.	पूर्णानंद साहू	एम. ए. सेमेस्टर III	पूर्णानन्द
18.	प्रिया राय	एम. ए. सेमेस्टर III	Priya
19	विनीता सिन्हा	एम. ए. सेमेस्टर III	Vsinha
20	लाकेश्वरी	एम. ए. सेमेस्टर I	Lakeshwari
21	प्रताप कुमार	एम. ए. सेमेस्टर I	[signature]
22	दामिनी	एम. ए. सेमेस्टर I	दामिनी
23	रमा	एम. ए. सेमेस्टर I	Rama
24	तुलसी	एम. ए. सेमेस्टर I	Tulsi
25	दुलेश्वरी	एम. ए. सेमेस्टर I	Duleshvari
26.	सोनाली	एम. ए. सेमेस्टर I	Sonali
27	विकास मारकण्डे	से- II	Vmarkande

विभागाध्यक्ष
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम. स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

प्रति,

प्राचार्य

शास विश्वनाथ यादव स्नातकोत्तर स्वशासी

महाविद्यालय

दुर्ग छत्तीसगढ़

विषय वेबसंगोष्ठी आयोजन हेतु।

सविनय निवेदन है प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा पर वेब संगोष्ठी क आयोजन दिनांक 05.06.2021 को किया जाना हैजिसमें

निम्न विद्वानों का व्याख्यान होगा।

1. डॉ. नौनिहाल गौतम गौर सिंग केन्द्रिय वि.वि. सागर,
2. डॉ. बहुरन सिंग पटेल, शास. संस्कृत महाविद्यालय, रायपुर
3. आचार्य धनंजय शास्त्री, गुरूविरजानंद संस्कृत कुलम, नई दिल्ली।

उक्त संगोष्ठी के लिए अनुमति प्रदान करने की कृपा करें।

विभागाध्यक्ष

HOD
Department Of Sanskrit
Govt. V.Y.T. PG
Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 05/06/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि संस्कृत विभाग द्वारा दिनाँक 08/06/2021 विषय – भारतीय ज्ञान परम्परा की प्रासंगिकता पर व्याख्यान आयोजित है जिसमें निम्न वक्तागण व्याख्यान हेतु आमंत्रित है –

डॉ. नौनिहाल गौतम केन्द्रीय विश्वविद्यालय सागर (मध्यप्रदेश)

डॉ. बहुरन सिंह पटेल संस्कृत महाविद्यालय (रायपुर)

आचार्य धनंजय शास्त्री जातवेदाः (दिल्ली)

अतः समस्त छात्र–छात्राएं ऑन लाइन लिंक से जुड़े तथा व्याख्यान का लाभ उठायें। लिंक एक दिन पहले भेजा जाएगा।

अध्यक्ष

संस्कृत विभाग

HOD
Department Of Sanskrit
Govt. V.Y.T. PG
Autonomous College Durg (C.G.)

प्राचार्य

शासकीय वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,

दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर संस्कृत विभाग द्वारा वेब संगोष्ठी का आयोजन

दिनांक 08/06/2021

साइंस कालेज दुर्ग में भारतीय ज्ञान परंपरा की प्रासंगिकता पर संस्कृत विभाग द्वारा वेब संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसमें संस्कृत के ज्ञान विज्ञान की प्रासंगिकता पर चर्चा की गई।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर एन सिंह की प्रेरणा से यह आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कु प्रतीक्षा ठाकुर ने स्वागतगीत प्रस्तुत किया। प्राचार्य का संदेश हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना ने छात्र छात्राओं को प्रेषित किया। जिसमे संस्कृत भाषा में करियर की संभावना पर बात कही।

इस कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सागर से डॉ नौनिहाल गौतम आमंत्रित थे तथा अन्य वक्ता के रूप में शासकीय संस्कृत महाविद्यालय रायपुर से डॉ बीएस पटेल एवं गुरु विरजानंद संस्कृतकुलम दिल्ली से आचार्य धनंजय शास्त्री जी आमंत्रित थे। नौनिहाल गौतम जी ने आयुर्वेद के ग्रंथों पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने भारतीय जीवन पद्धति को आज के लिए आवश्यक बताया कोरोना महामारी से लड़ने के लिए हमें वैदिक जीवन वैदिक भोजन को अपनाना होगा भारतीय आध्यात्मिक ग्रंथों वेदों पुराणों के उसे बताया कि हमें सर्व के बारे में सोचना चाहिए तभी संसाधन भी कम नहीं होंगे और मनुष्य सुखी रहेगा आचार्य धनंजय जी ने संस्कृत को संस्कृति की भाषा बताया।

कार्यक्रम में बहुत से महाविद्यालय से प्रोफेसर एवम छात्र छात्राओं ने भागीदारी की। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष प्रो. जनेन्द्र कुमार दीवान ने किया।

विभागाध्यक्ष
HOD
Department Of Sanskrit
Govt. V.Y.T. PG
Autonomous College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

वेबिनार 08/06/2021

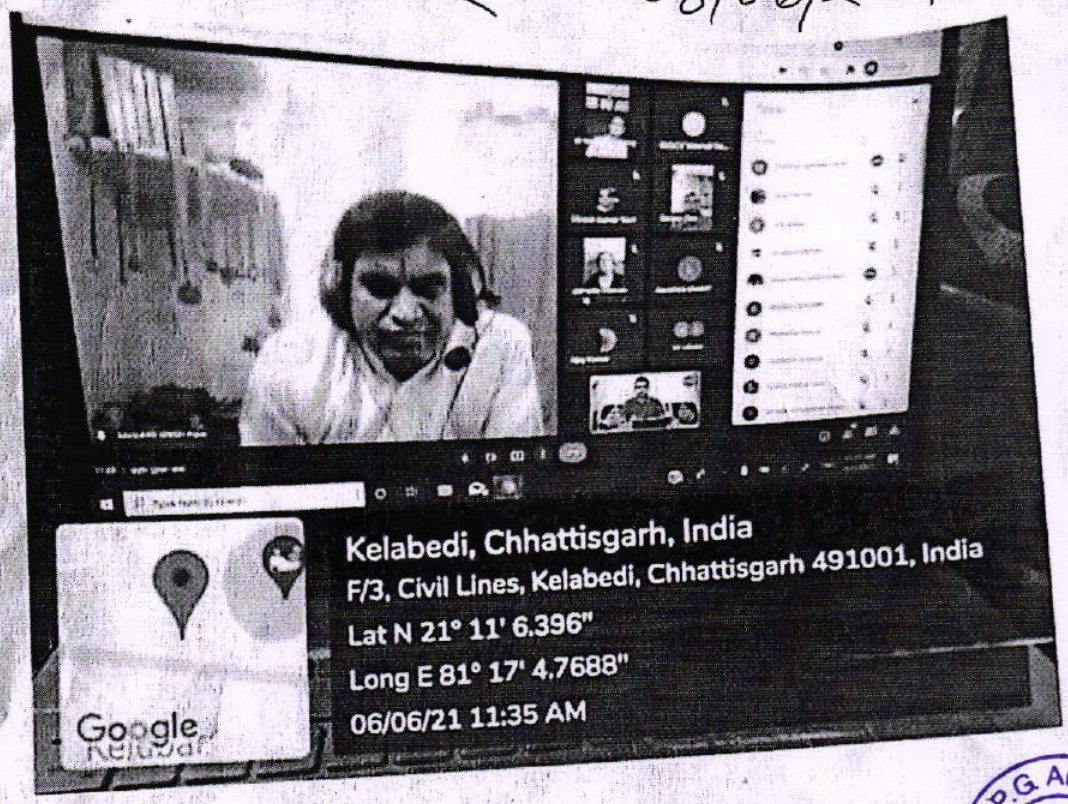

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

28, 29, 30

प्रति,

प्राचार्य,

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय :– बाबा नागार्जुन जयंती पर ऑन लाइन संगोष्ठी की अनुमति बाबत।

महोदय जी,

स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 30.06.2021 को 12 बजे बाबा नागार्जुन जंयती के अवसर पर **आज का समय और बाबा नागार्जुन** विषय पर ई–संगोष्ठी प्रस्तावित है जिसके मुख्य वक्ता डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अजंन कुमार (भिलाई), डॉ. रजत कृष्ण (बागबाहरा) एंव प्रो. थानसिंह वर्मा अपने विचार व्यक्त करेगें।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Permitted

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 25/06/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा दिनाँक 30/06/2021 को बाबा नार्गाजुन जयंती के अवसर पर आज के समय और बाबा नागार्जुन की कविता विषय पर ई संगोठी आयोजित है जिसके वक्ता डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अंजन कुमार कल्याण कॉलेज भिलाई, डॉ. रजत कृष्ण (बागबाहरा) एंव प्रो. थानसिंह वर्मा अपने विचार व्यक्त करेगें।

अतः समस्त छात्र–छात्राएं एवं शोधार्थी ऑन लाइन जुडकर लाभ उठाएं। लिंक एक दिन पूर्व भेजा जाएगा।

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य
शासकीय वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
दुर्ग (छ.ग.)
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

नागार्जुन जयंती

व्याख्यान : डॉ. अशोक कुमार, डॉ. अंजन कुमार, डॉ. रजत कृष्ण

(30 जून, 2021 को सम्पन्न आयोजन का प्रतिवेदन)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा जनकवि नागार्जुन की जयंती के अवसर पर ई–संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें अतिथि वक्ता डॉ अशोक कुमार तिवारी, डॉ. अंजन कुमार तथा डॉ रजत कृष्ण के साथ महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री थानसिंह वर्मा ने नागार्जुन के जीवन और साहित्य पर महत्त्वपूर्ण वक्तव्य दिया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष ,डॉ अभिनेष सुराना ने आयोजन के औचित्य पर प्रकाश डालते हुए दृष्य–पटल पर उपस्थित वक्ताओं और श्रोताओं का हिन्दी विभाग की ओर से स्वागत किया तत्पश्चात महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर.एन.सिंह ने बाबा नागार्जुन की जीवनी और रचनात्मकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन कवि के रूप में कबीर के बाद नागार्जुन को जाना जाता है उन्होंने स्वयं कहा है कि जनता मुझसे पूछ रही है क्या बतलाऊं हूं जन कवि हूँ मैं क्या झुठ्लाऊं। अधिकारिक वक्ता के रूप में बोलते हुए डॉ. अशोक तिवारी ने कहा कि नागार्जुन कि मानवीय दृष्टि और सरोकार प्रकृति से लेकर मनुष्य और मनुष्य से लेकर मानवेत्तर जीव जंतु तथा जीव जंतु से वस्तु तक पहुंचती है। उनकी जीवंतता की गर्माहट कि आंच उनके प्रत्येक काव्यवस्तु में महसूस किया जा सकता है। डॉ. अंजन कुमार ने कहा कि नागार्जुन की कविता अपने आप से निकलकर जीवन जगत को तर्कपूर्ण ढंग से समझने और उससे जुड़ने की रागात्मक यात्रा है। उनकी कविताएं हमारे समय के संकट को अभिव्यक्त ही नहीं करती बल्कि उसे देखने और समझने की एक व्यापक दृष्टि भी विकसित करती है। बागबाहरा के युवा कवि और आलोचक डॉ. रजत कृष्ण ने नागार्जुन की लोकवादी दृष्टिकोण को रेखांकित करते हुए कहा कि बाबा नागार्जुन विविधतावादी रचनाकार के साथ प्रयोगधर्मी भी हैं उनकी रचनाओं में भारत का गॉव और भारत का लोक उभरता है उनकी कविताओं में आमजन की व्यथा पूरी संवेदना के साथ व्यक्त हुयीं है। महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक थानसिंह वर्मा ने नागार्जुन की राजनीतिक चेतना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जन पक्षधर कवि नागार्जुन को राजनीति की गहरी समझ थी पर कुछ अपवादों को छोड़कर वे हमेशा सत्ता के प्रतिरोध में कविता लिखते रहें। कार्यक्रम के अंत में डॉ शंकर निषाद ने अतिथि वक्ता तथा पटल पर उपस्थित श्रोताओं के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से डॉ. बलजीत कौर डॉ जयप्रकाश डॉ. कृष्णा चटर्जी के साथ महाविद्यालय के स्नातकोत्तर के विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। डॉ. सरिता मिश्रा एवं कुमारी प्रियंका यादव ने अतिथि वक्ताओं का परिचय दिया तथा डॉ रजनीश उमरे ने कार्यक्रम का संचालन किया।

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Online

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 20/06/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग द्वारा दिनाँक 24/06/2021 को कबीर जयंती के अवसर पर आज के समय में कबीर की प्रसंगिता विषय पर ई संगोठी आयोजित है जिसके मुख्य अतिथि डॉ. परदेशी राम (भिलाई) एंव डॉ. शंकर निषाद मुख्य वक्ता होंगे।

अतः समस्त छात्र–छात्राएं एवं शोधार्थी ऑन लाइन जुडकर इसका लाभ उठाएं। लिंक एक दिन पूर्व भेजा जाएगा।

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य
शासकीय वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
दुर्ग (छ.ग.)
Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College * Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

कबीर जयंती

व्याख्यान : डॉ. परदेशी राम वर्मा , डॉ. शंकर निषाद

(2 4 जून, 2021 को सम्पन्न आयोजन का प्रतिवेदन)

कवि एक कांतिकारी कवि थे, उन्होंने अपने समय की सामाजिक विद्रूपताओं, बाह्यांडबरों पर करार प्रहार किया तथा झूठ प्रपंच रहकर समाज के सामान्य जन को सच्चाई के रास्ते पर चलने की प्रेरणा दी। उक्त विचार शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग के हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 24.06.2021 को आयोजित वर्चुअल संगोष्ठी का उद्घाटन करते हुए प्राचार्य डॉ. आर.एन. सिंह ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि तत्कालिन समाज में जात–पात, छुआछूत का बोलबाला था, पुरोहितों, मौलियों द्वारा धर्म के नाम पर साधारण जन को भ्रमित किया जा रहा था। ऐसे समय में कबीर ने जनता को सही राह दिखाने का कार्य किया। कार्यक्रम के आरंभ विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने संस्था के प्राचार्य तथा संरक्षक डॉ. आर.एन. सिंह, मुख्य अतिथि कथाकार डॉ. परदेशी राम वर्मा, वक्ता महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. शंकर निषाद एवं इस आयोजन में जुड़े प्रतिभागियों तथा छात्र–छात्राओं का स्वागत किया व कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी। इसके पश्चात् प्राध्यापक डॉ. शंकर निषाद ने कबीर की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि 15वीं सदी के कवि कबीरदास का भक्तिकाल के संत कवियों में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। वे पढ़े–लिखे नहीं थे, अनुभवजन्य ज्ञान के आधार पर जीवन की सच्चाई का व्यक्त कर सके। उनके मौखिक रूप में कहे गये दोहे पढ़े लिखे लोगों के साथ ही अशिक्षित लोगों के भी कंठहार बन गये। उन्होंने अपने समय के धार्मिक सामाजिक रूढ़ियों के साथ–साथ हिन्दु एवं मुस्लमान दोनों समुदाय के पाखंड एवं बाह्याचार के विरूध्द तीखा प्रहार किया। उनके विचार आज भी प्रासंगिक है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि हिन्दी तथा छत्तीसगढ़ी के सुप्रसिध्द कथाकार तथा लेखक डॉ. परदेशीराम वर्मा ने 'छत्तीसगढ़ में कबीर' विषय पर विस्तार से चर्चा की उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कबीर की वाणी लोक जीवन में आज भी प्रवाहमान है। कबीर के चिंतन की परंपरा धर्मदास से होते हुए घासीदास तक पहुंची। छत्तीसगढ़ के दलित तथा पिछड़ी जातियों में बड़ी संख्या में उनकी अनुयायी देखे जा सकते है। कबीर के नाम पर बने मठ भले ही कबीर के विचार से भटक गये है, परंतु उनके अनुयायियों ने कबीर की सादगी, सरलता, सच्चाई, प्रेम और करूणा को बनाये रखा है। उन्होंने छत्तीसगढ़ के लोक संस्कृति के विविध रूपों – नाचा–गम्मत, हबीब तनवीर के नाटकों से लेकर होली के फाग, राऊत नाचा के दोहों में कबीर की प्रभावी उपस्थिति देखी जा सकती है।

कार्यक्रम के आरंभ में डॉ. कृष्णा चटर्जी ने मुख्य अतिथि डॉ. परदेशी राम वर्मा, डॉ. शंकर निषाद का परिचय दिया। इस कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ के अलावा उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, उत्तराखंड, पंजाब, राजस्थान, मध्यप्रदेश तथा महाराष्ट्र के लगभग 190 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन में डॉ. जय प्रकाश साव, डॉ. शकील हुसैन, डॉ. रजनीश उमरे, डॉ. सरिता मिश्रा, कु. प्रियंका यादव के साथ तकनीकी सहयोग प्रदान करने में शोधार्थी सौरभ सर्राफ एवं मृत्युंजय द्विवेदी का सहयोग सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संचालन प्रो. थानसिंह वर्मा ने तथा आभार प्रदर्शन डॉ. बलजीत कौर ने किया।

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus College, Durg (C.G.)

Principal
Govt. V Y T P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

D/Press Vigyapati

Online

कार्यालय प्राचार्य
शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)
नैक ग्रेड–ए+, सी.पी.ई.–फेस–3, डी.बी.टी.–स्टार कालेज
फोन नं. 0788–2359688, फैक्स नं. 0788–2359688,
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

दिनांक 27/07/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छा–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि "प्रेमचंद जयंती" के अवसर पर दिनांक **31/07/2021** को प्रातः 10 बजे से ऑनलाईन व्याख्यान आयोजित है। जिसमें हिन्दी विभाग के प्राध्यापक श्री थानसिंह वर्मा "प्रेमचंद और भारतीय किसान" विषय पर व्याख्यान देंगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेनानिवृत्त प्राध्यापक डॉ. शंकर निषाद करेंगें।

अतः सभी विद्यार्थी ऑनलाईन लिंक से जुड़कर व्याख्यान का लाभ उठायें।

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव राम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्व.महाविद्यालय
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

प्रेमचंद जयंती

प्रेमचंद और भारतीय किसान

व्याख्यान : प्रो. थानसिंह वर्मा

(31 जुलाई , 2021 को सम्पन्न आयोजन का प्रतिवेदन)

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के हिंदी विभाग द्वारा कथा सम्राट प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ.आर.एन. सिंह के मार्गदर्शन में प्रेमचंद और भारतीय किसान विषय पर ऑनलाईन व्याख्यान का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य वक्ता प्रोफेसर थानसिंह वर्मा तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ शंकर निषाद ने की। कार्यक्रम के आरंभ में आभासी पटल से जुड़े हुए शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभिनेष सुराना ने वक्ताओं का परिचय देते हुए प्रेमचंद के व्यक्तित्व तथा कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा–प्रेमचंद का समग्र लेखन जन चेतना और संघर्ष की कथा है। वे स्वतंत्रता आंदोलन के दौर के प्रतिनिधि रचनाकार हैं। उन्होंने किसानों एवं मजदूरों के शोषक अंग्रेजी सत्ता व महाजनी सभ्यता के षड़यंत्र का पर्दाफाश किया है। मुख्य वक्ता प्रोफेसर थानसिंह वर्मा ने कहा कि प्रेमचंद के निधन के 85 वर्ष बाद भी पश्चात जिस तरह प्रेमचंद का सम्पूर्ण साहित्य जगत याद कर रहा है, वह प्रेमचंद के सर्जक व्यक्तित्व व उनकी वैचारिकता का प्रमाण है।

श्री वर्मा ने सत्ता व्यवस्था के विरुद्ध किसान आंदोलनों के अतीत से वर्तमान परिदृश्य का विस्तार से उल्लेख करते हुए कहा कि सत्ता व्यवस्था ने हमेशा महाजनों जमीदारों व पूंजीपतियों के पक्ष में नियम बनाएं। उनके सरंक्षण में चल रही शोषण की प्रकिया को प्रेमचंद ने बहुत निकट से देखा था। इसीलिए उसके यथार्थ को संजीदीकी के साथ चित्रित कर सके। श्री वर्मा ने प्रेमचंद के उपन्यास रंगभूमि के पात्र सूरदास के संघर्ष का उदाहरण देते हुए जिस तरह व्यवस्था के विरूध्द सूरदास ने संघर्ष किया आज उसी जीवटता की आवश्यकता है। सूरदास ने मरने से पहले अंग्रेजी सत्ता को ललकारते हुए यह कहा था – हम हारे तुम जीते, तुम मजे हुए खिलाड़ी हो, और मिलकर खेलते हो। हम बंटे हुए है, पर हम तुम्ही से खेलना सीख कर फिर खेलेंगे। यह भारतीय स्वतंत्रता संग्राम दौर के अजेय जनता का अमर स्वर है। आज के किसानों को सूरदास के इस संघर्ष से प्रेरणा लेनी चाहिए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए डॉ शंकर निषाद ने कहा कि सत्ता व्यवस्था की नीति के चलते किसान मात्र मजदूर बनकर रह गए हैं। व्यवस्था को यह समझना चाहिए कि किसान जिस दिन उत्पादन करना बंद कर देगा उस दिन व्यवस्था के सारे ठाट बाट धरे रह जाएंगे। वर्तमान किसान आंदोलन पर अपने विचार प्रकट करते हुए डॉ शंकर निषाद ने कहा कि किसान हमारी अर्थव्यवस्था की रीढ़ है व्यवस्था को उनके महत्व को स्वीकार करते हुए सार्थक पहल करने की आवश्यकता है।

कार्यक्रम के अंत में हिंदी विभाग की वरिष्ठ प्राध्यापिका डॉ बलजीत कौर ने आभार व्यक्त किया। इस आयोजन को सफल बनाने में विभाग के सदस्य डॉ.जय प्रकाश, डॉ कृष्णा चटर्जी, डॉ रजनीश कुमार उमरे, डॉ सरिता मिश्र व कुमारी प्रियंका यादव एवं तकनीकी सहयोग के लिए सौरभ सराफ का विशेष सहयोग रहा। इस आयोजन में महाविद्यालय के विद्यार्थियों के साथ बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमियों की उपस्थिति आभासी पटल पर रही।

Principal
Govt.V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्वशासी महावि.
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G)

32

प्रति,

प्राचार्य,
शास. वि. या. ता. स्वशासी स्नातकोत्तर
महाविद्यालय, दुर्ग, (छ.ग.)

विषयः– प्रेमचंद जयंती पर व्याख्यान आयोजन की अनुमति।

महोदय,

हिन्दी विभाग द्वारा दिनांक 31 जुलाई 2021 को प्रातः 10 बजे प्रेमचंद जयंती के अवसर पर व्याख्यान प्रस्तावित है।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

दिनांक 27/07/2021

भवदीय

डॉ. अभिनेष सुराना
अध्यक्ष, हिन्दी विभाग
शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातक.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

To

The Principal,

Govt. V.Y.T. PG. Autonomous College, Durg, (C.G.)

Subject: Permission to collaborate with HSNC Board's Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College, Ulhasnagar, Maharashtra and The KET's V.G. Vaze College of Arts, Science and Commerce Autonomous, Mumbai, Maharashtra to organise a 2 day workshop.

Sir,

Kindly grant permission to the Department of English to collaborate with HSNC Board's Smt. CHM College, Ulhasnagar, Maharashtra and The KET's V.G. Vaze College, Mumbai to organise a 2 day workshop on Research Methods in English Studies (Language and Literature) from 25th -26th August 2021.

Thank you

Yours Sincerely,

Dr. Qamar Talat

Department of English

Govt. V.Y.T. PG. Autonomous College, Durg (C.G.)

Permitted

Date: 21.08.2021

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

GOVT. V.Y.T.P.G. AUTONOMOUS COLLEGE DURG 491001(C.G.)
(Former Name — Govt. Arts & Science College, Durg)
NAAC Grade-A+, CPE Phase-III, DBT-Star College
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.
Ph. 0788 2359688 Fax 0788 2359688

Date : 23.08.2021

Department of English
NOTICE

The Department of English, Govt. V.Y.T. PG. Autonomous College, Durg, (C.G.) in collaboration with HSNC Board's Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College, Ulhasnagar, Maharashtra and The KET's V.G. Vale College of Arts, Science and Commerce Autonomous, Mumbai, Maharashtra is organising a Two-Day National Level Workshop on 'Research Methods in English Studies (Language and Literature) from 25th to 26th August 2021. Those who are interested kindly contactDr. Suchitra Gupta, Convenor or Dr. Qamar Talat, Organising Secretary for registration. A nominal fee of Rs 100 is payable towards the registration. The brochure with the link is attached herewith.

Dr. Qamar Talat.
Organising Secretary.
Govt. V.Y.T. PG. Autonomous College.
Durg, (C.G.).

Dr. R.N.Singh
Principal
Govt. V.Y.T.PG.Autonomous College
Durg, (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

DEPARTMENT OF ENGLISH
GOVT. V.Y.T.P.G. AUTONOMOUS COLLEGE, DURG 491001(C.G.)
NAAC Grade-A+, CPE Phase-III, DBT-Star College
Ph.: 0788-2359688, Fax: 0788-2359688
Website: www.govtsciencecollegedurg.ac.in

PRESS RELEASE

2-Day National Level Workshop on Research Methods in English Studies (Language and Literature)

A two day national level workshopon Research Methods in English Studies(Language and Literature) was organized by Department of English, Govt. V.Y.T PG Autonomous College Durg,; HSNC Board's Smt. C.H.M College, Ulhasnagar and The KET's V.G.Vaze College of Arts, Science and Commerce Autonomous, Mumbaion 25th and 26th August.It was for the first time that a research platform was introduced which was formed by the collaboration of three colleges. The workshop was intendedto provide the participants with the introduction of basics of research in Humanities including methods and tools of research and new directions in the field of English literature and language. On the first day, the workshop started with the address note by the Principals of all three colleges- Dr.R.N.Singh, Govt. VYT PG College; Dr. B.B.Sharma, V.G.Vaze College and Dr. Manju Lalwani Pathak, Smt. C.H.M College.Concept note was delivered by Dr.Somali Gupta, Professor, Govt. V.Y.T PG College . The two sessionson the first day were taken by Dr. Sunila Pillai, Associate Professor, R.K.Talreja College, Ulhasnagar on 'Tenets and Tools of Research in Sociolinguistics' and the other by Dr. Anusha Ramanathan, Assistant Professor, Tata Institute of Social Science, Mumbai on 'Mixed Methods Research: Tools and Strategies'. On the second day, the first session was taken up by Dr.LaksmiMuthukumar, Professor, South Indian Educational Society's College of Arts, Science and Commerce, Mumbai on 'Debunking Myths, Realizing Research' and the second session by Dr. Annie Joshi, Associate Professor, A.R.BurlaMahilaVarishthaMahavidyalaya, Solapur on 'Literature: An Ocean of Research Opportunities'. All the sessions enriched the knowledge of participants and also encouraged them to take up research in the field of their choices. The information of various fields provided by the eminent speakershelped the participants know about the new areas of research and tools to be used.The speakers shared their knowledge and resolved the queries of the participants making the sessions interactive. The organizing committee included Dr. Qamar Talat, Professor, Govt. V.Y.T PG College, Ms. Sana Karale, Assistant Professor, Smt C.H.M College and Ms. Tanvi Joshi, Assistant Professor, V.G.Vaze College.The program convenors Dr.Suchitra Gupta, Professor, Govt. V.Y.T PG College and Dr. Kailas Aute, Assistant Professor,Smt.C.H.M Collegeextended the vote of thanks on day one and two respectively. Research Scholars Miss.Parul Pandey and Miss.VrushaliKaneri hosted the sessions on day one and two respectively.Program Convenor,Dr. Dinesh Kumar Nair, Associate Professor, V.G.Vaze College formally offered the closing lecture.as a part of the workshop the participants are required to submit two assignments by 30th August after which they would be given their certificates. The workshop ended up with a thought of collaborating for future programs for both teachers and students.

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Education

अंग्रेजी विषय में शोध पर राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

deepak das • August 31, 2021

दुर्ग। शासकीय वीवायटी पीजी ऑटोनॉमस कालेज के अंग्रेजी भाषा विभाग द्वारा अंग्रेजी विषय में शोध विधि पर दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। सीएचएम कालेज उल्हासनगर, वीजी वझे कालेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स मुम्बई के साथ संयुक्त रूप से आयोजित यह कार्यशाला तीन महाविद्यालयों के समन्वय से आयोजित इस तरह की पहली कार्यशाला थी।कार्यशाला का उद्देश्य अंग्रेजी साहित्य में शोध की दिशा में शोधार्थियों का मार्गदर्शन करना था। कार्यशाला के पहले दिन शासकीय वीवायटी पीजी कालेज के प्राचार्य डॉ आरएन सिंह, वीजी वझे कालेज के प्राचार्य डॉ बीबी शर्मा एवं सीएचएम कालेज की प्राचार्य डॉ मंजू लालवानी ने अपना उद्बोधन दिया। अंग्रेजी विभाग की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सोमाली गुप्ता ने विषय प्रवेश कराया। प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए आरके तलरेजा कालेज उल्हासनगर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ सुशीला पिल्लई ने समाजभाषा विज्ञान के सिद्धांतों एवं उपकरणों की जानकारी दी। द्वितीय सत्र को टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस मुम्बई की डॉ अनुषा रामनाथन ने शोध के मिश्रित विधियों की जानकारी दी।

द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र को साउथ इंडियन एडुकेशनल सोसायटी कालेज ऑफ आर्ट्स, साइंस एंड कॉमर्स मुम्बई की प्रोफेसर डॉ लक्ष्मी मुथुकुमार ने शोध के मिथकों पर प्रकाश डाला। दूसरे सत्र में एआर बिड़ला महिला वरिष्ठ महाविद्यालय शोलापुर की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ एनी ज़ॉन ने साहित्य को शोध का अथाह सागर निरूपित किया।

आयोजन समिति में वीवायटी कालेज के प्रोफेसर डॉ कमर तलत, सीएचएम कालेज की सहा. प्राध्यापक सना करालें, वीजी वझे कालेज की तन्वी जोशी शामिल थीं। कार्यक्रम में वीवायटी कालेज की डॉ सुचित्रा गुप्ता, सीएचएम कालेज के डॉ कैलाश अयुते, शोधार्थी पारुल पाण्डे, वृशालु कनेरी का सराहनीय योगदान रहा।

कार्यक्रम संयोजक वीजी वझे कालेज के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ दिनेश कुमार नायर ने समापन व्याख्यान दिया। प्रतिभागियों को दो असाइनमेंट सबमिट करने के बाद ही प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

Durg (C.G)
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

HSNC Board's Smt. Chandibai Himathmal Mansukhani College, Ulhasnagar, Maharashtra

Govt. V. Y. T. Post Graduate College Autonomous, Durg, Chhattisgarh

The KET's V. G. Vaze College of Arts, Science and Commerce Autonomous, Mumbai, Maharashtra

Departments of English
organise

Two-Day National Level Workshop
on

Research Methods in English Studies (Language and Literature)
(For UG and PG Students and Research Scholars)

25th and 26th August 2021

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College, Durg (C.G.)

ABOUT THE WORKSHOP

Research is a systematic investigation of the materials in order to establish facts and find novel conclusions. Research in humanities helps in understanding the thought processes or perspectives of past generations, the unnoticed aspects of the society and applying it to the current life by finding similarities, understanding the problems faced by today's society and finding possible solutions. Research in literature and language helps to acquire knowledge from literary works and linguistic practices and enables one to apply it by testing theories and making observations. As literature is a vast subject, research cannot be confined to literary texts, but other avenues also need to be explored. Critical thinking, analytical reading, and interdisciplinary tools are generally linked with literary studies. Language studies entails experimental research, ELT techniques, methods of Sociolinguistics, Ethno-linguistics and Computational linguistics.

Literary research and language studies are at a crucial juncture, in the context of new research tools and interdisciplinary focus. Research methods in literature and language are redefined in the backdrop of digital technologies and the awareness of new primary sources and cultural texts. Literary and linguistic theories too have been undergoing a drastic change, bringing new perspectives on text, languages, and language studies.

Documentation is also an important part in research; it provides attribution or credit to the original author or creator and helps in verifying the accuracy of the work. Citation is a proof of proper research being done as the sources from where information is obtained are listed. It also helps in avoiding plagiarism. This workshop marks an important milestone in addressing the fundamentals of language and literature research such as citation, methods, review of literature and so on and it provides hands-on training to the participants in arriving at research topics, framing titles, and writing abstracts for research papers and proposals. The workshop focuses on inculcating a healthy research culture among young scholars.

OBJECTIVES OF THE WORKSHOP

This workshop aims to introduce graduates, postgraduates, and research scholars to the fundamentals of research methods in English literature and language. The workshop will help introduce the basics of research in Humanities. The participants will be familiarized with various research methods and tools available. The workshop also aims at mapping new directions in literary and linguistic studies.

OUTCOME OF THE WORKSHOP

The participants will gain knowledge on the basics of research in humanities. They will acquire knowledge on various tools and methods of humanities research. They will be able to identify research topics, write abstracts and research papers and learn to add citations. They will also be familiarized with new tools and emerging areas in language and literature studies.

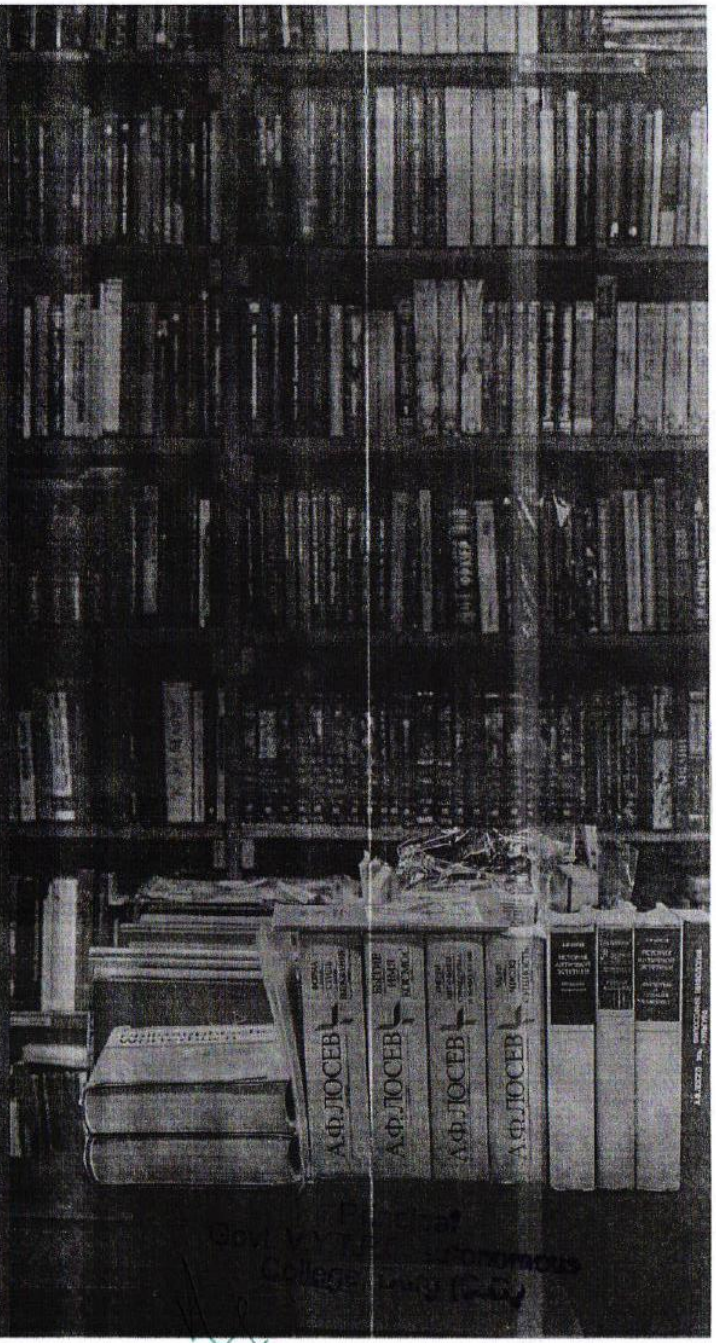

REGISTRATION

CLICK HERE TO REGISTER

Fees: INR 100/-

The workshop will bring together both UG and PG students from the three colleges wherein they will be trained by the experts in understanding fundamentals of research and its methods.

Participation: For UG, PG and Research Scholars

Note:

1 .Only selected participants will be a part of the workshop.

2. Participants will be given assignments on Day 1 and Day 2. Only those who complete the assignments, will be given the certificates.

Govt. V... College

PROGRAM SCHEDULE

DAY 1

PARTICULARS	TIME	RESOURCE PERSONS
Inauguration and	02:00 pm to 02:30 pm	
Concept Note Session - I	02:30 pm to 03:30 pm	Dr. Sunila Pillai Associate Professor R.K. Talreja College, Ulhasnagar
Session - II	03:30 pm to 04:30 pm	Dr. Anusha Ramnathan Assistant Professor Tata Institute of Social Sciences , Mumbai

DAY 2

PARTICULARS	TIME	RESOURCE PERSONS
Session - I	02:00 pm to 03:00 pm	Dr. Lakshmi Muthukumar Associate Professor Head, Dept. of English SIES College of Arts, Science and Commerce (Autonomous), Mumbai
Session - II	03:00 pm to 04:00 pm	Prof. Dr. Annie John Professor Head, Dept. of English A.R. Burla Mahila Varishtha Mahavidhyalya, Solapur

Principal
Govt. V.Y.T. PG. Autonomous
College, Durg (C.G.)

CHIEF PATRONS

Dr. Manju Lalwani Pathak
Principal
HNSC Board's Smt. CHM College

Prof. Dr. R. N. Singh
Principal
Govt. V.Y.T PG College
(Autonomous)

Dr. B. B. Sharma
Principal
KET's V. G. Vaze College
(Autonomous)

PROGRAM CONVENORS

Dr. Kailas Aute
Associate Professor,
Dept. of English
Smt. CHM College

Prof. Dr. Suchitra Gupta
Dept. of English
Govt. V.Y.T PG College
(Autonomous)

Dr. Dinesh Kumar Nair
Associate Professor,
Dean of Research,
Head, Dept. of English
KET's V. G. Vaze College
(Autonomous)

ORGANISING SECRETARIES

Ms. Sana Karale
Assistant Professor,
Dept. of English
Smt. CHM College

Prof. Dr. Qamar Talat
Professor,
Dept. of English,
Govt. V.Y.T PG College
(Autonomous)

Ms. Tanvi Joshi
Assistant Professor,
Dept. of English,
KET's V. G. Vaze College
(Autonomous)

COMMITTEE MEMBERS

HSNC BOARD'S
SMT. C.H.M. COLLEGE
ULHASNAGAR, MAHARASHTRA

Dr. Pratima Das
Associate Professor,
Head, Dept . of English
Vice Prinicipal

Dr. Deepa Mishra
Associate Professor,
Dept. of English

Mr. Ananda Pandhare
Assistant Professor,
Dept. of English

GOVT. V.Y.T. PG AUTONOMOUS COLLEGE
DURG, CHHATTISGARH

Prof. Dr. Mita Chakraborty
Head, Dept. of English

Prof. Dr. Somali Gupta
Dept. of English

Dr. Mercy George
Dept. of English

Dr. Meena Mann
Dept. of English

Dr. Tarlochan Kaur
Dept. of English

KET's V.G. VAZE COLLEGE OF ARTS, SCIENCE & COMMERCE (AUTONOMOUS)
MUMBAI, MAHARASHTRA

Prof. Dr. Preeta Nilesh
Vice Principal

Ms. Sundari Johnson
Assistant Professor,
Dept. of English

Ms. Ashwathi Anilkumar
Assistant Professor,
Dept. of Mass Media

RESEARCH METHODS IN ENGLISH STUDIES (LANGUAGE AND LITERATURE)

LITERATURE: AN OCEAN OF RESEARCH OPPORTUNITIES

Dr. Annie John heads the Department of English at A.R. Burla Mahila Varishtha Mahavidyalya, Solapur. She has been teaching undergraduate students for 26 years and the post graduate students for 20 years. Her area of expertise include analysis of diasporic tendencies in the immigrant writings of the writers of Indian diaspora. She is a registered guide for M. Phil and Ph.D in English, under Solapur University. She delivers talks regularly at National and International seminars. Dr. Annie is the Chairperson of the Board of Studies, member of the Academic Council, Chairperson of the Lapses Committee and also a member of the Students' Welfare and Cultural Committee. She has published several research papers at International and National levels and has authored several chapters in many books. Dr. Annie also holds several editorial positions.

Dr. Annie John,
Head, Department of English,
Associate Professor,
A.R.Burla Mahila Varishtha Mahavidyalya, Solapur.

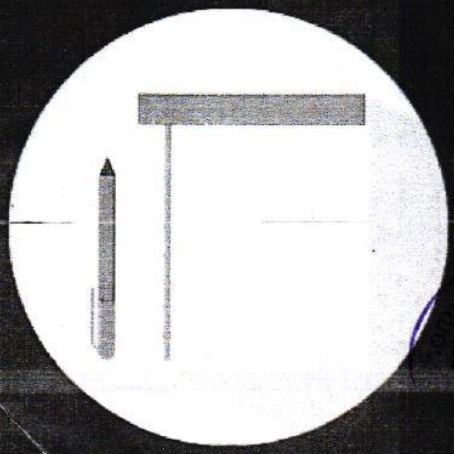

DAY 2

DATE: 26th August 2021

TIME: 2:00 PM to 4:00 PM

PLATFORM: Zoom

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)

RESEARCH METHODS IN ENGLISH STUDIES (LANGUAGE AND LITERATURE)

MIXED METHODS RESEARCH: TOOLS AND STRATEGIES

Dr. Anusha Ramanathan is an Assistant Professor at CETE. She has teaching experience at both UG & PG level. She teaches courses on Assessment, Evaluation, instructional design, language education, literacy and mentoring and co-anchors blended and online TPD programmes at CEIAR, TISS. She has vast experience of developing edX based MOOC courses, content developer, curriculum consultant, editor, syllabus designer, teacher educator and faculty for language, literature, management and media studies. She develops Language for Reflective Teaching with ICT. Her areas of expertise include English Literature, Assessment & Evaluation, culture studies, ed-tech, ELT, Media studies, and teacher education.

Dr. Anusha Ramanathan
Consultant, Assistant Professor
Tata Institute of Social Sciences, Mumbai.

DAY 1

DATE: 25th August 2021
TIME: 2:00 PM to 4:30 PM
PLATFORM: Zoom

Govt. V.Y.T. Autonomous College, Durg (C.G.)

19,20,21
22

प्रति,

प्राचार्य,

शास. वि.या.ता. स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

विषय :– हिन्दी विभाग द्वारा व्याख्यान श्रृंखला आयोजन की अनुमति बाबत ।

महोदय जी,

हिन्दी विभाग द्वारा व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत–

दिनाँक 04/02/2021 दोपहर 12 बजे विषय – छत्तीसगढ का लोकजीवन – डॉ. जीवन यदु (खैरागढ़)

दिनाँक 06/02/2021 दोपहर 12 बजे – विषय – मैथ्यू अर्नाल्ड का काव्य सिद्वांत – डॉ. सियाराम शर्मा (उतई)

दिनाँक 10/02/2021 दोपहर 12 बजे विषय – रूप विज्ञान – डॉ. चितरँजनकर, भाषाविद (रायपुर)

दिनाँक 15/02/2021 दोपहर 12 बजे विषय – हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति – डॉ. मृदुला शुक्ला (बलौदाबाजार) का व्याख्यान प्रस्तावित है।

कृपया उक्त आयोजन हेतु अनुमति प्रदान करने का कष्ट करेंगे।

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

अध्यक्ष
हिन्दी विभाग
विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

Permitted

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College ★ Durg (C.G.)

कार्यालय प्राचार्य

शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

दिनांक 01/02/2021

सूचना

महाविद्यालय के समस्त छात्र–छात्राओं को सूचित किया जाता है कि स्नातकोत्तर हिन्दी विभाग के तत्वाधान में व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत –

दिनाँक 04/02/2021 विषय – छत्तीसगढ का लोकजीवन – डॉ. जीवन यदु (खैरागढ़)

06/02/2021 – विषय – मैथ्यू अर्नाल्ड का काव्य सिद्धांत – डॉ. सियाराम शर्मा (उतई)

10/02/2021 – विषय – रूप विज्ञान – डॉ. चितरंजनकर, भाषाविद (रायपुर)

15/02/2021 – विषय – हिन्दी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति – डॉ. मृदुला शुक्ला (बलौदाबाजार) का व्याख्यान आयोजित है।

अतः समस्त छात्र–छात्राएं ऑन लाइन लिंक से जुड़े तथा व्याख्यान का लाभ उठायें। लिंक एक दिन पहले भेजा जाएगा।

अध्यक्ष

हिन्दी विभाग

विभागाध्यक्ष (हिन्दी)
शास. विश्वनाथ यादव ताम.स्नात.
महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.

प्राचार्य

शासकीय वि.या.ता.स्नातकोत्तर महाविद्यालय,
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

Govt. V.Y.T. P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

हिंदी विभाग, शास. विश्वनाथ यादव तामस्कर
स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, दुर्ग (छ.ग.)

व्याख्यान-श्रृंखला
(डॉ. जीवन यदु, डॉ. सियाराम शर्मा, डॉ. चित्तरंजन कर, डॉ. मृदुला शुक्ल)
(4 फरवरी से 15 फरवरी 2021 के मध्य सम्पन्न व्याख्यान श्रृंखला का प्रतिवेदन)

शासकीय विश्वनाथ यादव तमस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग में हिंदी विभाग द्वारा दिनांक 4 फरवरी से 15 फरवरी तक व्याख्यान श्रृंखला के अंतर्गत चार व्याख्यान आयोजित किए गए । व्याख्यान श्रृंखला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ आर.एन. सिंह ने किया । इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा विद्यार्थी इस कार्यक्रम में जुड़ें तथा विद्वान वक्ताओं के व्याख्यान का लाभ उठाएं । इस श्रृंखला के अंतर्गत प्रथम व्याख्यान लोक साहित्य के मर्मज्ञ कवि आलोचक डॉ जीवन यदु खैरागढ़ ने दिया उन्होंने अपने व्याख्यान में छत्तीसगढ़ के लोक जीवन पर प्रकाश डालते हुए छत्तीसगढ़ की लोक जीवन एवं कृषि के अंतर्संबंध पर विस्तार से जानकारी दी । दूसरा व्याख्यान प्रसिद्ध आलोचक डॉ सियाराम शर्मा सहायक प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय उतई का पाश्चात्य आलोचना के अंतर्गत मैथ्यू अर्नाल्ड के आलोचना सिद्धांत पर हुआ । डॉ. सियाराम शर्मा ने मैथ्यू अर्नाल्ड के काव्य सिद्धान्त पर प्रकाश डालते हुए कहा कि काव्य का लक्ष्य सर्व सामान्य को आनंद प्रदान करना है । उन्होंने साहित्य को जीवन की आलोचना के रूप में परिभाषित किया है । तीसरा व्याख्यान भाषा विज्ञान विषय के अंतर्गत रूप विज्ञान पर भाषा वैज्ञानिक कवि आलोचक डॉ. चितरंजन कर सेवानिवृत्त प्राध्यापक भाषा विज्ञान विभाग पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर ने दिया डॉ. चितरंजन करने भाषा विज्ञान जैसे नीरस विषय को बहुत सरल सहज शब्दों में अनुरंजन बनाकर समझाया । अंतिम व्याख्यान भारतीय साहित्य पर केंद्रित था डॉ. मृदुला शुक्ला सेवानिवृत्त प्राध्यापक शासकीय महाविद्यालय लवन ने हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति विषय पर व्याख्यान दिया । श्रीमती शुक्ल ने आदि काल से लेकर आधुनिक काल तक हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों दया, करुणा, प्रेम, सद्भावना तथा समता को अनेक उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट किया । कार्यक्रम में स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के अलावा अन्य महाविद्यालयों के हिंदी के विद्यार्थी भी सम्मिलित हुए विद्यार्थियों ने विद्वान वक्ताओं से प्रश्न किए और अपने जिज्ञासा का समाधान किया इस कार्यक्रम में विभिन्न महाविद्यालय के साथ महाविद्यालय के विभाग के प्राध्यापक एवं अध्यक्ष डॉ अभिनेष सुराना, डॉ शंकर निषाद, डॉ. बलजीत कौर, डॉ. जयप्रकाश साव, थान सिंह वर्मा, डॉ कृष्णा चटर्जी, डॉ रजनीश उम्रे सम्मिलित हुए । अतिथि वक्ताओं का परिचय अभिनेश सुराना जी ने दिया एवं कार्यक्रम का संचालन डॉ जयप्रकाश साहू ने किया आभार प्रदर्शन डॉ शंकर निषाद ने किया ।

Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous College Durg (C.G.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College Durg (C.G.)

प्राचार्य
शास.वि.या.ता.स्नात.स्व.महावि.,
दुर्ग (छ.ग.)

Principal
Govt. V.Y.T.P.G. Autonomous
College, Durg (C.G.)